भजन

दिल में अब दर्दे जुदाई के सिवा कुछ भी नहीं
पास मेरे तेरी खिलवत के सिवा कुछ भी नहीं

1) ऐ पिया कौन मेरा है यहाँ इक तेरे सिवा
पास मेरे तेरी इनायत के सिवा कुछ भी नहीं

2) ए पिया मुझसे ना लेना मेरे गुनाहों का हिसाब
मैं तेरी हूँ फक्त निसबत के सिवा कुछ भी नहीं

3) तुझको पाकर के मिली मुझको राहत वरना
जिन्दगी रंजो–मुसीबत के सिवा कुछ भी नहीं

4) मैं तुझे मेरे पिया क्या यहां अब पेश करूँ
वाहेदत में हूं इस हकीकत के सिवा कुछ भी नहीं